फार्मेसी के सैकड़ों छात्रों का भविष्य दांव पर

लखनऊ। कार्यालय संवाददाता

यूपीटीयू और फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के अफसरों की हीलाहवाली का खामियाजा सैकड़ों बेकसूर बी-फार्मा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। इसका खुलासा बुधवार को हुआ जब बी-फार्मा छात्र उप्र फार्मेसी काउंसिल में पंजीकरण कराने पहुंचे। यहां दो कॉलेजों की डिग्री देख काउंसिल के सदस्य चकरा गए।

उन्होंने मामले को गंभीर मानते जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही पंजीकरण करने से इनकार कर दिया है। इससे सैकड़ों छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है।

2009 में चरक इंस्टीट्यूट ने बी-फार्मा में छात्रों के दाखिले लिए थे। इंस्टीट्यूट ने यूपीटीयू से मान्यता ली थी। छात्रों ने प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की। लेकिन इंस्टीट्यूट को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने मान्यता नहीं दी। ऐसे में इंस्टीट्यूट से पास छात्रों की डिग्री वैध नहीं हो सकती थी। लिहाजा इंस्टीट्यूट संचालक ने अध्यनरत छात्रों को अलग-अलग कॉलेजों में द्वितीय वर्ष में दाखिला दिला दिया। इसकी इंस्टीट्यूट संचालक ने काउंसिल से अनुमति नहीं ली। अब जब छात्रों को बी-फार्मा की डिग्री मिली तो उसमें प्रथम वर्ष का जिक्र चरक कॉलेज से था। छात्र चौक स्थित उप्र फार्मेसी काउंसिल में पंजीकरण के लिए गए। यहां दो संस्थान के अंक पत्र देख अधिकारियों सकते में आ गए हैं। उन्होंने काउंसिल में ऐसे छात्रों का पंजीकरण करने से इनकार कर दिया है।

लापरवाही

- यूपीटीयू और फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की हीलाहवाली से छात्र परेशान
- बी-फार्मा की डिग्री दो अलग-अलग कॉलेज से करने वाले छात्रों का पंजीकरण फंसा

इस तरह का कोई भी मामला मेरी संज्ञान में नहीं आया है। शिकायत मिलने पर मामले की जांच कराई जाएगी। यह गंभीर मसला है। छात्रों के साथ नइंसाफी नहीं होने दी जाएगी।
प्रो. ओंकार सिंह, कुलपति, यूपीटीयू

चरक इंस्टीट्यूट का मामला सामने आया है। दो कॉलेज की डिग्री वाले छात्रों का काउंसिल में पंजीकरण का कोई नियम नहीं है। छात्रों के भविष्य को बचाने की पूरी कोशिश की जा रही है।
के के सचान, रजिस्ट्रार, उप्र फार्मेसी काउंसिल

अब तक ऐसे कई कॉलेजों का मामला सामने आ चुका है। कॉलेज प्रशासन शुरू में ध्यान नहीं देते हैं। इसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ता है।
सुनील यादव, चेयरमैन, उप्र फार्मेसी काउंसिल

हिन्दुस्तान 21/5/15

लखनऊ के छात्र यूपी एसईई में भी छाए

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा (यूपीएसईई)-2015 के नतीजे बुधवार को जारी किए गए। इसमें भी लखनऊ के छात्रों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

फरीदाबाद का समर्थ टॉपरः उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय की ओर आयोजित परीक्षा में फरीदाबाद के समर्थ कपूर ने बीटेक में टॉप किया है। उन्हें 600 में से 556 अंक मिले है। कानपुर के पुलकित कपूर 556 अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे। गणित में कम अंक होने से उन्हें दूसरा स्थान मिला है।

लखनऊ के अमृत सिंघल , अपूर्व पाण्डे और आयुष जैन भी टॉप टेन में जगह पाने में सफल रहे। इस सूची में ऐसे कई मेधावी हैं जिन्होंने अपने सपनों को पूरा करने के लिए संसाधनों की बाधाओं को पार कर सफलता पाई। लखनऊ की

शान में एक और तमगाः पेज 25

नतीजे घोषित

- फरीदाबाद का समर्थ कपूर बीटेक टॉपर, कानपुर का पुलकित सेकंड
- टॉप टेन में अमृत सिंघल, अपूर्व पांडे और आयुष जैन लखनऊ के

2,18,253 अभ्यर्थी यूपीएसईई में हुए शामिल

1,94,356 कुल अभ्यर्थी हुए परीक्षा में सफल

इन नतीजों में ग्रामीण क्षेत्रों से आए बच्चे काफी आगे निकले हैं। इन्होंने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया। विवि की ओर से ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए बच्चों को तीन अंकों का लाभ दिया गया है।
प्रो .ओंकार सिंह ,कुलपति यूपीटीयू

हिन्दुस्तान 21/5/15

राष्ट्रीय सहारा 21/5/15

फरीदाबाद के समर्थ बीटेक व लखीमपुर के सुनील एमबीए के लिए टॉपर

लखनऊ (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय (यूपीटीयू) की ओर से प्रदेश के इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कालेज में दाखिले के लिए आयोजित राज्य स्तरीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एसईई) का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया गया। बीटेक में प्रवेश के लिए फरीदाबाद के समर्थ कपूर छह सौ अंक में से 556 लाकर टॉपर रहे जबकि 556 अंक लाने वाले पुलकित कपूर दूसरे स्थान पर रहे। समर्थ का मैथ में पुलकिल से अधिक अंक थे। वहीं एमबीए के लिए लखीमपुर के छात्र सुनील कुमार वर्मा और एमसीए में लखनऊ के छात्र अंकित शर्मा टॉपर हैं। बीटेक बायोटेक्नोलॉजी और बीफार्मा के लिए आगरा की शिवानी गर्ग, बीआर्क में नोएडा के आयुष कुमार, बीएफए, बीएचएमसीटी

(शेष पेज 9 पर)

एसईई परिणाम घोषित

बीटेक

समर्थ कपूर 556/600

पुलकित कपूर 556/600

विश्वजीत शुक्ला 552/600

- बीटेक के लिए झांसी की शिवांगी अग्रवाल को चौथा व लखनऊ के अमृत सिंघल को पांचवां स्थान

एमबीए

सुनील कुमार वर्मा 320/400

एमसीए

अंकित शर्मा 312/400

- छात्राओं ने फहराया परचम

पेज-3

रा.स.मे. 21/5/15

डेटा लीक मामले में जांच कमिटी विफल

■ **एनबीटी, लखनऊः** उत्तर प्रदेश टेक्निकल यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के एसईई का डेटा बेचने के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। यूनिर्सिटी से इस मामले की जांच के लिए एक कमिटी का गठन किया था, लेकिन यह कमिटी कोई भी रिजल्ट देने में पूरी तरह से असमर्थ रही। यूपीटीयू के कुलपति ओमकार सिंह ने बताया कि कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में कोई भी सूचना नहीं दी है। जांच समिति ने रिपोर्ट में जो भी तर्क रखें हैं, उसे शासन को भेज दिय गया है।

शासन को भेजी रिपोर्ट, सरकार करेगी कार्रवाई

...तो बच गए सभी अधिकारीः एसईई में का डेटा बेचने का आरोप यूपीटीयू के ही अधिकारियों पर था, लेकिन जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कुछ न साबित करने से अब यूपीटीयू के अधिकारियों पर लटकी तलवार हटती नजर आ रही है। वहीं, सूत्रों का कहना है कि जांच समिति ने ही अधिकारियों को पूरी तरह बचा लिया है। हालांकि कुलपति का कहना है कि शासन इस पर कार्रवाई कर सकता है, लेकिन जब रिपोर्ट में अधिकारियों पर कोई आरोप ही नहीं है तो शासन कार्रवाई किस करेगा, यह बड़ा सवाल है। गौरतलब है कि विगत पांच मई को यह मामला उठा था, जिसमें यूपीटीयू के छात्रों का डेटा प्राइवेट कॉलेजों को बेचा गया था। इसमें करोड़ों की वसूली का भी शक था। इस पर कुलपति ने तत्काल कमिटी का गठन कर दिया था। इसमें तीन दिन के अंदर रिपोर्ट सबमिट करने के लिए कहा गया था। उस समय ही जांच अधिकारी ने कह दिया था कि यह जांच तीन दिन में पूरी नहीं की जा सकती, लेकिन अंत में जो रिजल्ट आया वह भी शून्य ही रहा।